

## भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान मोहाली स्थापना दिवस व्याख्यान

के लिए आपको सादर आमंत्रित करता है।

27 सितंबर, 2024

### कार्यक्रम

- 3:45 अपराह्न सरस्वती वंदना
- 3:47 अपराह्न अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास, आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली द्वारा स्वागत
- 3:50 अपराह्न निदेशक, आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली द्वारा स्वागत भाषण
- 4:08 अपराह्न संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 का विमोचन
- 4:10 अपराह्न संबोधन, विशिष्ट अतिथि: **श्री संत सांगानेरिया**, प्रबंध न्यासी, संत सांगानेरिया फाउण्डेशन फॉर हेल्थ एंड एजुकेशन, नई दिल्ली
- 4:25 अपराह्न स्थापना दिवस व्याख्यान: **प्रोफेसर एल.एस. शशिधर**, निदेशक टी.आई.एफ.आर.-एन.सी.बी.एस. बेंगलूरु
- 5:10 अपराह्न मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का अभिनंदन
- 5:15 अपराह्न पुरस्कार वितरण समारोह
- 5:25 अपराह्न सह-अधिष्ठाता, अनुसंधान एवं विकास द्वारा धन्यवाद ज्ञापन
- 5:30 अपराह्न अल्पाहार

**प्रेषक: कुलसचिव, आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली**

संपर्क: +91 172 2240124

स्थान: एल.एच.-7, व्याख्यान कक्ष संकुल, आई.आई.एस.ई.आर. मोहाली,  
सेक्टर 81, नॉलेज सिटी, एस.ए.एस. नगर, पंजाब



## स्थापना दिवस व्याख्यान 27 सितंबर, 2024

### सम्मानित अतिथि श्री संत सांगानेरिया

प्रबन्ध न्यासी, संत सांगानेरिया फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड एजुकेशन, नई दिल्ली



**श्री संत सांगानेरिया** एक अग्रणी भारतीय उद्योगपति हैं जिन्होंने सुगंध और स्वाद उद्योग में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। वर्ष 1969 में उन्होंने आवश्यक तेलों और सुगंधित रसायनों के आयात और व्यापार के लिए राधा सेल्स कॉर्पोरेशन की स्थापना की। इसके बाद 1987 में उन्होंने अल्ट्रा इंटरनेशनल लिमिटेड की स्थापना की, जो सुगंध, स्वाद और आवश्यक तेलों का उत्पादन करने वाली एक अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई है, जहाँ वे वर्तमान में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

इन बाजार के प्रति उनके समर्पण और मजबूत व्यावसायिक कौशल ने उन्हें इन उद्योग में एक सफल और सम्मानित व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। वे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संघों जैसे कि RIFM, यू.एस.ए., IFRA, स्विटजरलैंड, IFEAT, यू.के., IOFI, स्विटजरलैंड, FEMA, यू.एस.ए. और नीदरलैंड में NEA के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। वर्ष 2016 में उन्हें सुगंध और स्वाद उद्योग में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित IFEAT रोनाल्ड नील संस्थापक पुरस्कार मिला। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 में हिंदू कॉलेज ने उन्हें कॉलेज को उनके उदार समर्थन के लिए "सार्थक सम्मान" से सम्मानित किया। अपनी व्यावसायिक सफलता के अलावा, श्री सांगानेरिया ने धर्मार्थ कार्यों के लिए एक गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने संगानेरिया फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड एजुकेशन की स्थापना की, जो महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण और वंचितों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और शैक्षिक सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित एक धर्मार्थ संगठन है। उनके परोपकारी प्रयास समुदाय को वापस देने और समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में उनके विश्वास को दर्शाते हैं। अपने वैश्विक प्रभाव और दृढ़ समर्पण के साथ श्री सांगानेरिया उद्योग जगत में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। वे नेतृत्व और परोपकार की एक सच्चा मिसाल हैं।

### मुख्य अतिथि

#### प्रोफेसर एल.एस. शशिधर

निदेशक, टी.आई.एफ.आर.-एन.सी.बी.एस. बेंगलूरु



**प्रोफेसर एल.एस. शशिधर** एक प्रतिष्ठित भारतीय विकासवादी जीवविज्ञानी हैं, जो वर्तमान में बेंगलूरु में राष्ट्रीय जैविक विज्ञान केंद्र के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। धारवाड़ के कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के बाद, उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और हैदराबाद के कोशिकीय और आणविक जीवविज्ञान केंद्र में एक वैज्ञानिक के रूप में शामिल हुए। ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर पर उनके अभूतपूर्व शोध ने कोशिकाओं, ऊतकों और अंगों के विकास और स्थिति को नियंत्रित करने वाले महत्वपूर्ण जीन विनियामक तंत्र का अनावरण किया है।

उपकला कैन्सर में दवा की खोज के लिए ड्रोसोफिला का के प्रयोग के अपने शोध के अलावा उन्होंने ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैन्सर पर भारतीय संदर्भ में अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ट्रांसलेशनल कैन्सर रिसर्च सेंटर की स्थापना करके नैदानिक स्तन कैन्सर अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में उन्होंने आई.आई.एस.ई.आर. पुणे और अशोका विश्वविद्यालय के संस्थापक अकादमिक सदस्य के रूप में विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रोफेसर शशिधर वैज्ञानिकों के लिए विविध कैरियर कार्यशालाओं का आयोजन करते रहे हैं और शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर हाई स्कूल और स्नातक शिक्षकों के बीच विज्ञान शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देते हैं। वह इंडियाबायोसाइंस के बोर्ड में कार्यरत हैं और वर्तमान में जलवायु परिवर्तन शिक्षा पर एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रोफेसर शशिधर ने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय जैविक विज्ञान संघ के अध्यक्ष सहित उल्लेखनीय पदों पर कार्य किया है। उन्हें प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और जे.सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित किया गया है। वह EMBO के सदस्य हैं और सभी भारतीय विज्ञान अकादमियों के निर्वाचित फेलो हैं। संस्थानों और समुदायों के निर्माण और विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने में उनके नेतृत्व ने भारतीय विज्ञान और समाज को गहराई से प्रभावित किया है।

# IISER MOHALI CORDIALLY INVITES YOU TO THE Foundation Day Lecture

September 27, 2024

## PROGRAMME

- 3:45 PM Saraswati Vandana
- 3:47 PM Welcome by Dean R&D, IISER Mohali
- 3:50 PM Welcome address by Director, IISER Mohali
- 4:08 PM Release of Institute Annual Report 2023-24
- 4:10 PM Address by Guest of Honour: **Mr. Sant Sanganeria**, Sant Sanganeria Foundation for Health and Education, New Delhi
- 4:25 PM Foundation day lecture titled "From the Origin of Life to Evolution of Self" by the Chief Guest: **Prof. L.S. Shashidhara**, Director, TIFR-NCBS Bangalore
- 5:10 PM Felicitation of Chief Guest and Guest of Honour
- 5:15 PM Prize Distribution Ceremony
- 5:25 PM Vote of Thanks by Associate Dean R&D
- 5:30 PM High Tea

**RSVP: Registrar, IISER Mohali**

Contact: +91 172 2240124

Venue: LH-7, Lecture Hall Complex, IISER Mohali  
Sector 81, Knowledge City, SAS Nagar, Punjab



# Foundation Day Lecture

September 27, 2024

## GUEST OF HONOUR

**MR. SANT SANGANERIA**

MANAGING TRUSTEE,

SANT SANGANERIA FOUNDATION FOR HEALTH & EDUCATION

**Mr. Sant Sanganeria**, is a pioneering Indian industrialist who has made significant strides in the fragrance and flavor industry. He holds a Bachelor's Degree in Commerce from St. Xavier's College, Calcutta. In 1969, he founded Radha Sales Corporation for importing and trading essential oils and aroma chemicals. Subsequently, in 1987, he established Ultra International Limited, a state-of-the-art manufacturing unit producing fragrances, flavors, and essential oils, where he currently serves as Chairman and Managing Director.



His dedication to the perfume market and strong business acumen have established him as a successful and respected figure in perfumery. He is actively involved with various international associations such as the RIFM, U.S.A., the IFRA, Switzerland, the IFEAT, U.K., the IOFI, Switzerland, the FEMA, U.S.A., and NEA in the Netherlands. In 2016, he received the prestigious IFEAT Ronald Neal Founder's Award for his contributions to the fragrance and flavor industry. Additionally, in 2019, Hindu College honored him with the "Sarthak Samman" for his generous support to the college. Besides his professional success, Mr. Sanganeria has shown a profound commitment to charitable causes. He established the Sanganeria Foundation for Health & Education, a charitable organization dedicated to uplifting and empowering women and providing crucial health and educational support to the underprivileged. His philanthropic efforts reflect his belief in giving back to the community and impacting society positively. With his global influence and steadfast dedication, Mr. Sanganeria continues to set new standards in the industry, making him a true example of leadership and benevolence.

## CHIEF GUEST

**PROFESSOR L. S. SHASHIDHARA**

DIRECTOR, TIFR-NCBS BANGALORE

**Professor LS Shashidhara** is an esteemed Indian developmental biologist currently serving as the Director of the National Centre for Biological Sciences in Bengaluru. After studying at the University of Agricultural Sciences, Dharwad, he pursued his doctoral studies at the University of Cambridge and joined the Centre for Cellular and Molecular Biology, Hyderabad, as a scientist and group leader.

His groundbreaking research on *Drosophila Melanogaster* has unveiled crucial gene regulatory mechanisms controlling the development and positioning of cells, tissues, and organs. Beyond his research that leverages *Drosophila* for drug discovery in epithelial cancers, he has played a pivotal role in furthering clinical breast cancer research by establishing a Translational Cancer Research Centre, focusing on India-specific studies on Triple Negative Breast Cancer. More recently, he made significant contributions to the growth and development of IISER Pune and Ashoka University as a founding academic member. Professor Shashidhara organises diverse career workshops for scientists and, with the Ministry of Education, promotes science education and training among high school and undergraduate teachers. He serves on the Board of IndiaBioscience and currently leads an international project on Climate Change Education. Professor Shashidhara has held notable positions, including Vice-President of the Indian National Science Academy and President of the International Union of Biological Sciences. He has been awarded the prestigious Shanti Swarup Bhatnagar Prize and the JC Bose National Fellowship. He is an EMBO member and an elected fellow of all Indian science academies. His leadership in building institutions and communities and promoting science education have profoundly impacted Indian science and society.

